RNI No. 38072/81 पोस्टल रजिस्ट्रेशन : आई.आर./जयपुर सिटी/219/2024-26

# समन्वय वाणी

पाक्षिक

सच लिखने का साहस व सलीका

129, जादोन नगर 'बी' स्टेशन रोड, दुर्गापुरा, जयपुर-302018

सेवा में,

ISSN 2456-7086

वर्ष : 46, अंक : 2 जयपुर-16 से 31 जनवरी 2026 ( वीर सं. 2552 ) स्थायी : 1101/- वार्षिक :100/- मूल्य 2/- पृष्ठ : 8

## भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर - मोदी

**राजकोट :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत दुनियां की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। जो आंकड़े आ रहे हैं उससे यह साफ है कि भारत से दुनिया की उम्मीदें लगातार बढ़ रही हैं। वे 11 जनवरी को मारवाडी यूनिवर्सिटी में कच्छ-सौराष्ट्र वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश में महंगाई काबू में है। कृषि, दूध व जेनरिक मेडिसिन उत्पादन में भारत नए रेकॉर्ड बना रहा है। दुनियां में सबसे ज्यादा वैक्सीन बनाने वाला देश भारत है। बीते 11 वर्षों में भारत दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल डेटा कंज्यूमर बना है वहीं भारत का यूपीआइ विश्व का नंबर वन रियल टाइम डिजिटल ट्रांजेक्शन प्लेटफॉर्म बना है। कभी हम 10 में से 9 मोबाइल बाहर से मंगाते थे। आज भारत दुनियां का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोस्टिम यहीं है। मोदी ने कहा कि भारत पर दुनिया का यह भरोसा इसलिए है, क्योंकि बड़े वैश्विक अनिश्चितता के माहौल के बीच भारत में एक अभूतपूर्व निश्चितता का दौर है। आज भारत में राजनीतिक स्थिरता है और नीतियों में निरंतरता है।

## भारतीय भाषाओं के माध्यम से भारत की एकता व विविधता सुदृढ़ - ओम बिरला

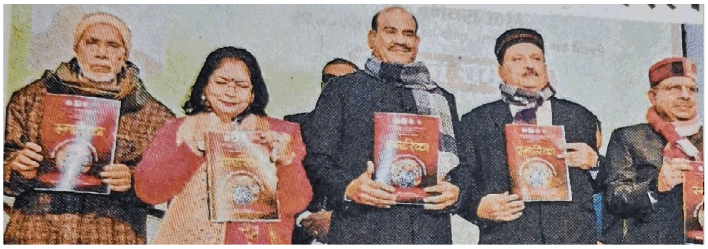

**नई दिल्ली :** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारतीय भाषाएँ हमारी संस्कृति, संस्कार और सभ्यता की आत्मा हैं तथा इन्हीं के माध्यम से भारत की एकता और विविधता सुदृढ़ होती है। उन्होंने कहा कि जब भी भारत वैश्विक मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराए, तो मातृभाषा में संवाद करना गर्व का विषय होना चाहिए। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित तृतीय अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन-2026 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि यदि हम स्वयं अपनी भाषाओं का सम्मान और नियमित प्रयोग नहीं करेंगे, तो उनके संरक्षण और विकास की जिम्मेदारी कौन निभाएगा।

## नजर एप बनाने पर जयपुर पुलिस को स्कॉच अवॉर्ड

**जयपुर :** किराएदार, ड्राइवर व घरेलू नौकरों के सत्यापन के लिए जन उपयोगी नजर एप बनाने पर स्कॉच फाउंडेशन की तरफ से जयपुर पुलिस को टेक्नोलॉजी इनोवेशन कैटेगरी में स्कॉच अवार्ड मिला है। ये अवार्ड एप बनाने वाले तत्कालीन एडिशनल कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने लिया। जयपुर कमिश्नर रहे एडीजी बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि दो साल पहले एडिशनल कमिश्नर रहने के दौरान कुंवर राष्ट्रदीप ने नजर एप बनाया था। इसलिए अवार्ड रिसीव करने के लिए डीजीपी राजीव शर्मा ने उन्हें भी भेजा था। इससे लोग अपने स्तर पर किराएदार, ड्राइवर व घरेलू नौकरों का सत्यापन करवा सकते हैं। एप 12 जून को शुरू हुई थी। अब तक 33 हजार लोगों ने इसे डाउनलोड कर लिया और इसके जरिए अब तक 63 हजार नौकर-किराएदारों को सर्वे किया जा चुका है।

## रेड के दौरान मुख्यमंत्री को फाइल क्यों लेनी पड़ी : भाजपा

**नई दिल्ली :** भारतीय जनता पार्टी ने कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा प्रतीक जैन के ठिकाने से एक फाइल ले जाने को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर पूछा कि 'ग्रीन फाइल' का रहस्य क्या है और एक मुख्यमंत्री को छापे के दौरान स्वयं मौके पर जाने की जरूरत क्यों पड़ी। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पूरे देश ने देखा कि ममता बनर्जी एक निजी व्यक्ति के घर से हरी फाइल लेकर बाहर निकलीं। उन्होंने आशंका जताई कि इस फाइल में कोयला घोटाले से जुड़े लाभार्थियों, तृणमूल कांग्रेस नेताओं की भूमिका, हवाला लेन-देन के रास्तों और अधिकारियों के नाम दर्ज हो सकते हैं। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री के इस दावे को भी खारिज किया कि ईडी चुनावी रणनीति का डेटा चुराने आई थी और कहा कि एजेंसियों के अनुसार मामला 2021-22 के दौरान कोयला घोटाले से जुड़े करीब 20 करोड़ रुपए के गोवा ट्रांसफर से जुड़ा है। उन्होंने गोवा कनेक्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि जांच एजेंसियों ने हवाला नेटवर्क का खुलासा किया है। संवैधानिक सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई में हस्तक्षेप का मुख्यमंत्री को क्या अधिकार है।

Created by Universal Document Converter

## सम्पादकीय

समन्वय वाणी में प्रकाशित लेखों से संपादक मंडल का सहमत होना आवश्यक नहीं।

# राष्ट्रीय युवा दिवस और हमारा कर्तव्य

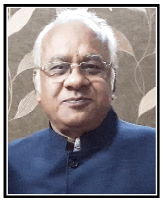

राष्ट्रीय युवा दिवस भारत में हर वर्ष 12 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जिनका जीवन और विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका विश्वास था कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं की ऊर्जा, चरित्र और चिंतन पर निर्भर करता है।

युवा शक्ति समाज की सबसे सक्रिय और सृजनशील शक्ति होती है। उनमें नई सोच, नवाचार और परिवर्तन की अद्भुत क्षमता होती है। जब युवा सकारात्मक दिशा में कार्य करते हैं, तो समाज स्वत: प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होता है। स्वामी विवेकानंदजी ने युवाओं से आत्मविश्वास, साहस और सेवा भाव को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया था। उनका प्रसिद्ध कथन – 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत' – आज भी युवाओं को कर्मपथ पर प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं है, बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी है। यह दिन युवाओं को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वे अपने ज्ञान, कौशल और सामर्थ्य का उपयोग राष्ट्र निर्माण में कैसे कर सकते हैं। शिक्षा, नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को अपनाकर ही युवा सशक्त भारत की नींव रख सकते हैं।

आज के युग में युवा तकनीक, विज्ञान, कला, खेल और सामाजिक सेवा जैसे अनेक क्षेत्रों में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। आवश्यकता इस बात की है कि वे अपनी प्रगति के साथ-साथ समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए भी संवेदनशील बने रहें। राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर किया गया प्रत्येक प्रयास देश को मजबूत बनाता है।

राष्ट्रीय युवा दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि युवा सही मार्गदर्शन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें, तो भारत न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि विश्व पटल पर एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा। युवा ही वर्तमान हैं और युवा ही भविष्य – इसी विश्वास के साथ यह दिवस हमें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

## वैश्विक परिदृश्य में हिंदी की स्थिति

10 जनवरी वह दिन जब दुनिया भर में फैले करोड़ों हिंदी प्रेमी अपनी भाषा के गौरव का उत्सव मनाते हैं। 'विश्व हिंदी दिवस' केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह इस बात का उद्घोष है कि हिंदी अब केवल भारत की सीमाओं में बंधी एक भाषा नहीं, बल्कि एक वैश्विक शक्ति बन चुकी है। फिजी से लेकर मॉरीशस तक और अमेरिका के सिलिकॉन वैली से लेकर यूरोप के विश्वविद्यालयों तक, हिंदी की गूंज आज पहले से कहीं अधिक स्पष्ट और प्रभावशाली है।

हिंदी की इस वैश्विक यात्रा में सबसे बड़ा योगदान तकनीक और डिजिटल क्रांति का रहा है। एक समय था जब इंटरनेट पर अंग्रेजी का एकाधिकार था, लेकिन आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), सोशल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन के दौर में हिंदी ने अपनी एक अनिवार्य जगह बना ली है। दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियाँ अब हिंदी भाषी बाजार को नजरअंदाज नहीं कर सकतीं। यह भाषाई बाजारवाद ही है जिसने हिंदी को आर्थिक सशक्तिकरण का जरिया बनाया है। आज हिंदी में ब्लॉगिंग, पॉडकास्टिंग और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर सृजित हो रहा मौलिक कंटेंट यह सिद्ध करता है कि हिंदी बोलने और समझने वाली आबादी एक विशाल बौद्धिक और आर्थिक शक्ति है।

हालांकि, इस वैश्विक विस्तार के बीच हमें आत्ममंथन की भी आवश्यकता है। क्या हम हिंदी को केवल भावनाओं और नारों की भाषा बनाए रखना चाहते हैं या इसे ज्ञान-विज्ञान और शोध की भाषा के रूप में भी स्थापित करने के लिए तैयार हैं? अक्सर देखा जाता है कि उच्च शिक्षा, तकनीकी शब्दावली और न्यायालयों के कामकाज में हिंदी आज भी संघर्ष कर रही है। विश्व हिंदी दिवस की सार्थकता तभी है जब हम अपनी भाषा को 'सम्पर्क भाषा' के साथ-साथ 'संसाधन भाषा' बनाने की दिशा में ठोस प्रयास करें। हमें अनुवाद की निर्भरता से बाहर निकलकर मौलिक शोध और तकनीकी साहित्य हिंदी में रचने होंगे।

प्रवासी भारतीयों ने भी हिंदी को सात समंदर पार जीवित रखने और उसे प्रतिष्ठा दिलाने में अनुकरणीय भूमिका निभाई है। उनके लिए हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़े रहने की एक सांस्कृतिक डोर है। आज जब संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ रही है, तो यह हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

अंतत:, भाषा केवल शब्दों का समूह नहीं होती, वह एक पूरी संस्कृति और जीवन दर्शन का संवाहक होती है। हिंदी 'वसुधैव कुटुंबकम्' के भारतीय संस्कार को विश्व पटल पर अंकित करने वाली भाषा है। इसकी प्रकृति उदार है, जिसने समय-समय पर अन्य भाषाओं के शब्दों को अपने भीतर आत्मसात किया है। आज के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम हिंदी को हीनता बोध से मुक्त कर आत्मविश्वास की भाषा बनाएंगे। हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है, बशर्ते हम इसे संकुचित दायरों से निकालकर आधुनिकता और परंपरा के संगम के रूप में आगे बढ़ाएँ।

**– डॉ. अखिल बंसल**

## केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया स्पीड पोस्ट 24 और स्पीड पोस्ट 48 सेवाओं की बड़ी घोषणा

**पिछोर :** केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री एवं गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शिवपुरी जिले के पिछोर में इंडिया पोस्ट की दो नई सेवाओं स्पीड पोस्ट 24 और स्पीड पोस्ट 48 की घोषणा की जिनसे क्रमश: 24 और 48 घंटे में डिलीवरी सुनिश्चित की जाएगी। स्थानीय कार्यक्रम के माध्यम से की गई यह घोषणा डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस अवसर पर सिंधिया ने कहा कि स्पीड पोस्ट 24 और स्पीड पोस्ट 48 समयबद्ध, भरोसेमंद और तेज़ डिलीवरी का नया मानक स्थापित करेंगी। दरअसल केन्द्रीय मंत्री ने 2 लाख की लागत से नवीनीकृत पिछोर उप-डाकघर का लोकार्पण किया और 1 करोड़ 11 लाख की लागत से प्रस्तावित नए उप-डाकघर भवन का शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ये बड़ी घोषणाएँ कीं।

Created by Universal Document Converter

# जैन धरोहर का लोप और समाज की निष्क्रियता : आत्ममंथन का समय

▣ सुगालचन्द जैन, चेन्नई

व्हाट्सऐप के माध्यम से दिल्ली से एक अत्यंत चिंताजनक संदेश प्राप्त हुआ। उसमें उल्लेख है कि अहिछेत्र (बरेली) क्षेत्र की खुदाई में प्राप्त भगवान पार्श्वनाथ की धातु प्रतिमा का धड़, जो लगभग 700 ईसा पूर्व का माना जाता है, आज कहीं भी उपलब्ध नहीं है। इसी प्रकार अयोध्या की हनुमानगढ़ी से प्राप्त जिन केवली की प्रतिमा भी रहस्यमय रूप से लुप्त हो चुकी है। ये केवल दो उदाहरण हैं। ऐसे न जाने कितनी ऐतिहासिक और बहुमूल्य जैन धातु प्रतिमाएँ, जो भूगर्भ से प्राप्त हुईं, आज या तो उपेक्षा का शिकार हैं या स्वार्थी तत्त्वों की भेंट चढ़ चुकी हैं, जिनका जैन समाज के पास कोई लेखा-जोखा नहीं है। यह एक कटु सत्य है कि जैन समाज समृद्ध, बौद्धिक और जागरूक समाज होने पर भी अनेक सम्प्रदायों में विभक्त है। आपसी एकता का अभाव है। सभी सम्प्रदाय महावीर और तीर्थंकरों के नाम पर अपने-अपने मार्ग चला रहे हैं, किन्तु व्यवहार में न तो भगवान महावीर के मूल सिद्धांतों को पूरी निष्ठा से अपनाया जा रहा है और न ही उनकी प्राचीन धरोहरों को संजोने की सामूहिक चेतना दिखाई देती है। समय-समय पर केवल घड़ियाली आँसू बहाते हैं, थोड़ी बहुत आवाज़ उठाते हैं और फिर सब कुछ यथावत चलने देते हैं।

सन् 1975 में भगवान महावीर के 2500वें निर्वाण वर्ष के अवसर पर जैन समाज में एकता के कुछ सराहनीय प्रयास हुए। चारों प्रमुख सम्प्रदायों ने मिलकर एक केन्द्रीय संस्था का गठन किया। दुर्भाग्यवश, पचास वर्ष पूर्ण हो जाने के बाद भी वह संस्था आज तक अपने बाल्यकाल से आगे नहीं बढ़ सकी और यौवन के द्वार तक नहीं पहुँच पाई। उस समय गठित समिति और आचार्य विनोबा भावे के सत्प्रयासों से जैन ध्वज और जैन प्रतीक का निर्माण हुआ, जिन्हें आज सभी सम्प्रदाय स्वीकार करते हैं और जो जैन समाज की पहचान बन चुके हैं। यह जिन केवली का ही आशीर्वाद है कि इन प्रतीकों पर किसी भी सम्प्रदाय ने आपत्ति या व्यवधान डालने का प्रयास नहीं किया।

जैन दर्शन के सार को संक्षेप में प्रस्तुत करने वाली 'समण सुत्त' नामक महत्त्वपूर्ण पुस्तक का प्रकाशन भी उसी कालखंड की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसका भाषांतर तमिल, अंग्रेज़ी, गुजराती तथा अन्य भारतीय भाषाओं में हुआ। किंतु कड़वा सच यह है कि शायद जैन समाज के एक प्रतिशत लोगों को भी इस पुस्तक के अस्तित्व और उसके मर्म की जानकारी नहीं है। सभी ने औपचारिक रूप से उस पर अपनी स्वीकृति की मुहर तो लगा दी, पर मन से उसे स्वीकार नहीं किया। इससे ऐसा लगता हैं की ऐसी अनेक अमूल्य पुस्तकें और विचार आज धूल में दबे पड़े हैं।

जब तक एक साधारण जैन श्रावक स्वयं को जैन होने पर गर्व महसूस नहीं करेगा, तब तक चाहे वह प्रागैतिहासिक धरोहर हो, ऐतिहासिक विरासत हो या वर्तमान की संपदा - सब पर स्वार्थी तत्त्वों का कब्ज़ा होता रहेगा और जब कभी ऐसी हानि की जानकारी समाज के संज्ञान में आएगी, तब केवल शोक प्रकट करेंगे, आँसू बहाएँगे और शोर मचाकर चुप हो जाएँगे। प्रभावशाली जैन देश-काल-भाव के अनुसार अपना चौला बदल देंगे। वर्तमान में जरूरत है जैनों को जैन होने पर गर्व महसूस करने की। समृद्ध एवं प्रबुद्ध समाज को चाहिए कि अपने कमजोर भाई को साथ लेकर बैठे। चारित्र, तप और त्यागी की पूजा करने की।

मेरा जैन समाज के कर्णधारों से विनम्र किंतु दृढ़ निवेदन है कि वे एक साथ बैठें और जैन श्रावक-श्राविकाओं को एक ही दृष्टि से देखें। आर्थिक क्षमता के आधार पर विभाजन न करें। समाज के बौद्धिक और विद्वान वर्ग का सम्मान करें। सन् 1975 में 'भगवान महावीर मेमोरियल समिति' के नाम से जो केन्द्रीय संस्थान पंजीकृत हुआ था, उसे सशक्त और सक्रिय रूप से आगे बढ़ाएँ। इस संस्थान की आजीवन सदस्यता शुल्क मात्र 1000 है।

मेरा भारतवर्ष तथा विदेशों में निवास कर रहे सभी जैन बंधुओं से आग्रह है कि वे इस केन्द्रीय संस्थान के आजीवन सदस्य बनें। घर में जितने सदस्य हों, सभी को सदस्यता दिलाएँ। यदि लगभग एक लाख जैन एकजुट होकर इस संस्था से जुड़ जाएँ, तो समाज की आवाज़ में वह शक्ति उत्पन्न होगी, जो सरकार और व्यवस्था दोनों पर प्रभाव डाल सकेगी।

मेरा भगवान महावीर मेमोरियल समिति, दिल्ली के पदाधिकारियों से भी निवेदन है कि वे संस्था पर अपने व्यक्तिगत ममत्व का त्याग करें और आजीवन सदस्यों को जोड़ने का मार्ग सरल व पारदर्शी बनाएँ। जब तक साधारण जैन को साथ लेकर नहीं चला जाएगा, तब तक न नेतृत्व सुरक्षित रहेगा और न ही धन-संपत्ति। यह समय गंभीर चिंतन-मनन का है। साधु-संत समाज से भी करबद्ध प्रार्थना है कि वे समाज को जाग्रत करें, उसे संगठित होने की प्रेरणा दें और केन्द्रीय संस्था को सशक्त बनाने में मार्गदर्शन करें। यही भगवान महावीर के सिद्धांतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

## इंजीनियर से लेकर राजनीतिक सलाहकार तक का सफर

झारखंड में जन्मे प्रतीक जैन आइआइटी बॉम्बे से इंजीनियरिंग कर चुके हैं। 2012 में इंजीनियरिंग करने के बाद प्रतीक ने डेलॉयट कंपनी में बतौर एनालिस्ट काम किया। इसके बाद वह सिटिजंस फॉर अकाउंटेबल गवर्नेंस के संस्थापक सदस्य बने। 2015 में प्रतीक ने अपने मित्र विनेश चंदेल और ऋषि राज सिंह के साथ मिल कर आई-पैक की स्थापना की जिसमें प्रशांत किशोर भी जुड़े थे। प्रतीक अब तृणमूल कांग्रेस के आइटी सेल के मुखिया भी हैं। **प्रतीक की फर्म करती है अनेक कार्य** - आई-पैक के को-फाउंडर और डॉयरेक्टर प्रतीक जैन हैं। इस कंपनी में अभी 200 से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। इसका मुख्यालय हैदराबाद, तेलंगाना में है। यह कंपनी कैंपेन मैनेजमेंट, पॉलिटिकल कंसलटिंग, डिजिटल कम्यूनिकेशन, मीडिया रिलेशन, स्ट्रैटेजिक रिसर्च, सोशल मीडिया मार्केटिंग, डेटा एनलिटिक्स जैसे काम करती है। प्रतीक जैन की फर्म आई-पैक 2019 से तृणमूल कांग्रेस के लिए काम कर रही है। इसका आफिस सॉल्ट लेक सेक्टर-5 में है। मौजूदा समय में वह टीएमसी के एक अहम रणनीतिकार भी हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव, फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने टीएमसी के लिए काम किया था।

Created by Universal Document Converter

Created by Universal Document Converter

# दो साल में युवा अभ्यर्थियों को मिले बेहतर अवसर

**नियुक्ति / भर्ती**

1 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां
1.43 लाख नई सरकारी भर्तियां
निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक नियुक्तियां

**पारदर्शी भर्ती परीक्षा**

एसआईटी गठित
डमी अभ्यर्थी, पर्चा लीक समेत
अन्य अनियमितताओं पर रोक

**स्कूटी एवं साइकिल / टैबलेट वितरण**

छात्राओं को 30,000 स्कूटियां एवं
10.31 लाख साइकिलें
मेधावी विद्यार्थियों को 66,724 टैबलेट

**स्टार्टअप्स को संबल**

65 I-Start टिंकरिंग लैब स्थापित
658 स्टार्टअप्स को ₹22.48 करोड़ की सहायता

**कौशल प्रशिक्षण**

3.37 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण
494 रोजगार शिविरों में 1.20 लाख युवा लाभान्वित

**मुख्यमंत्री युवा संबल योजना**

4.13 लाख युवाओं को ₹1,355 करोड़
1.31 लाख युवाओं को इंटर्नशिप

**खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025**

जिलों में 17 नवीन खेलो इंडिया
केन्द्रों की स्थापना

**ऋणी लोन एवं अनुदान**

68,397 युवाओं को ₹100 करोड़
की प्रोत्साहन राशि

**खिलाड़ियों का सम्मान**

1,754 खिलाड़ियों को
₹38.57 करोड़ की सहायता

## राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवाओं को सौगात

1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती का कैलेंडर

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना - 2026

नवीन युवा नीति - 2026

रोजगार नीति - 2026

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान


Created by Universal Document Converter

# सॉफ्टवेयर इंजीनियर अंकिता ने सिस्टम को दिखाया आईना, बनारस के अस्सी घाट पर मोबाइल चोर गिरोह बेनकाब

**वाराणसी :** काशी की पहचान सिर्फ आध्यात्मिक नगरी की नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र की भी है। लेकिन नववर्ष और छुट्टियों के बीच अस्सी घाट पर जो हुआ, उसने पर्यटन सुरक्षा और पुलिसिंग के दावों की परतें खोल कर रख दीं। मोबाइल चोरों के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किसी स्पेशल पुलिस ऑपरेशन से नहीं, बल्कि एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर्यटक अंकिता गुप्ता नामक युवती के साहस, तकनीकी दक्षता और अडिग संकल्प से हुआ। मुंबई के घाटकोपर निवासी उमेश गुप्ता की पुत्री अंकिता गुप्ता, जो पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, बनारस भ्रमण पर आई थीं। सायंकाल अस्सी घाट की भीड़ में एक उचक्का उनका करीब दो लाख रुपये कीमत का आई फोन छीनकर फरार हो गया। यह वही समय था जब घाटों पर पर्यटकों की संख्या चरम पर थी और सुरक्षा व्यवस्था कागजों तक सीमित नजर आ रही थी। घटना के तुरंत बाद अंकिता ने भेलूपुर थाने को सूचना दी। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली, लेकिन इसके बाद जाँच की रफ्तार वहीं थम गई। पीड़िता ने मोबाइल का बिल, दस्तावेज, ईएमआई नंबर और अन्य जरूरी जानकारी पुलिस को सौंप दी, बावजूद इसके पुलिस ने न तो लोकेशन ट्रेस की और न ही संदिग्ध इलाके में तलाशी ली। यह स्थिति तब है, जब प्रदेश सरकार पुलिस को अत्याधुनिक तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने के दावे करती है। पुलिस की उदासीनता से निराश होकर अंकिता ने खुद मोर्चा संभाला। सॉफ्टवेयर इंजीनियर होने के नाते उन्होंने मोबाइल के ईएमआई नंबर को एक एप के जरिए ट्रेस किया। मोबाइल की लोकेशन लगातार एक ही स्थान पर दिखाई देती रही। रात करीब दो बजे अंकिता खुद उस लोकेशन पर पहुँच गईं और अकेले ही वहीं डटी रहीं। पत्रकार सुरेश गांधी के हस्तक्षेप के बाद पुलिस काफी देर से मौके पर पहुँची, लेकिन न तो कमरे की तलाशी ली गई और न ही संदिग्ध को दबोचने का प्रयास किया गया।

औपचारिकता पूरी कर पुलिस ने वही पुराना आश्वासन दिया और लौट गई। मोबाइल की लोकेशन रातभर जस की तस बनी रही। सुबह करीब पांच बजे अंकिता दोबारा उसी जगह पहुँचीं। इस बार आसपास के लोग भी जुट गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि संदिग्ध युवक चांदपुर चौराहा, जीटी रोड स्थित मकान मालिक राजेंद्र पटेल के यहाँ किराये पर रहता है। जब मकान मालिक ने कमरे का ताला खुलवाया तो चोर फरार हो चुका था, लेकिन कमरे के अंदर का दृश्य चौंकाने वाला था, वहाँ 15 से 20 महंगे मोबाइल फोन पड़े थे। अंकिता ने मौके पर ही अपने आई फोन की पहचान कर ली। पत्रकार सुरेश गांधी की सूचना पर पुलिस एक बार फिर मौके पर पहुँची और सभी मोबाइल फोन को कब्जे में लिया। सवाल यह है कि यदि रात में ही गंभीरता दिखाई जाती, तो आरोपी की गिरफ्तारी के साथ पूरे नेटवर्क का खुलासा उसी समय हो सकता था। स्थानीय लोगों के अनुसार अस्सी घाट, दशाश्वमेध और आसपास के इलाकों में मोबाइल चोरी की घटनाएँ कोई नई बात नहीं हैं। रोजाना 4 से 6 मोबाइल चोरी की चर्चा आम है, लेकिन ठोस कार्रवाई न होने से चोरों के हौसले बुलंद थे। इस घटना ने साफ कर दिया कि यह कोई छुटपुट वारदात नहीं, बल्कि संगठित गिरोह का काम है।

काशी पत्रकार संघ के महामंत्री जितेंद्र श्रीवास्तव ने पुलिस की भूमिका पर तीखा सवाल उठाते हुए कहा कि जब पीड़ित सटीक लोकेशन और तकनीकी साक्ष्य उपलब्ध कराए, तब भी कार्रवाई न होना बेहद गंभीर विषय है। ऐसी पुलिसिंग से अपराधियों का मनोबल बढ़ता है और आम नागरिक का भरोसा टूटता है।

पुलिस का कहना है कि बरामद मोबाइल फोन को कब्जे में ले लिया गया है। फरार आरोपी की तलाश की जा रही है और मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी। बरामद मोबाइलों के आधार पर अन्य पीड़ितों की पहचान भी की जाएगी।

## सार-समाचार

- ❖ ट्रंप का आक्रामक बयान – 'ग्रीनलैंड हमारा होगा चाहे जैसे भी हो' रूस और चीन का दिखाया डर, डेनमार्क बोला – तो NATO का अंत तय।
- ❖ अमेरिकी सेना का सीरिया में ISIS पर बड़ा हमला, कई ठिकानों पर की एयरस्ट्राइक।
- ❖ ट्रंप का बड़ा बयान – ईरान आजादी की ओर बढ़ रहा, अमेरिका मदद को तैयार!
- ❖ अयोध्या राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश : परिसर में घुसा 55 साल का शख्स पकड़ा गया, कश्मीर का रहने वाला।
- ❖ गजनवी के हमले के 1000 साल बाद सोमनाथ में PM मोदी का ओंकार नाद, ऐतिहासिक।
- ❖ सुवेंदु अधिकारी का ममता को नोटिस : 72 घंटे में जवाब मांगा; मुख्यमंत्री बोली थीं – सुवेंदु कोयला घोटाले का पैसा शाह तक पहुँचाते हैं।
- ❖ केसी त्यागी की JDU से छुट्टी! पार्टी बोली – उनसे हमारा सरोकार नहीं; एक दिन पहले CM नीतीश को भारत रत्न देने की मांग की।
- ❖ नेवी पश्चिम बंगाल के हल्दिया में बेस बना रही : बंगाल की खाड़ी में चीन-बांग्लादेश की गतिविधियों पर नजर; छोटे वॉरशिप तैनात होंगे।
- ❖ डोभाल बोले – जंग दुश्मन का मनोबल तोड़ने के लिए लड़ते हैं, हम मनोरोगी नहीं कि शव देखकर खुशी मिले, मौजूदा लीडरशिप ने 10 साल में देश बदला।
- ❖ 14 राज्यों में वॉन्टेड भोपाल का 'रहमान डकैत' गिरफ्तार – देशभर की पुलिस को 20 साल चकमा दिया – लग्जरी कार और अरबी घोड़ों का शौकीन।
- ❖ बंगाल की ऊँची इमारतों में स्थापित होंगे मतदान बूथ : चुनाव आयोग ने दी मंजूरी, तृणमूल कांग्रेस ने किया था विरोध।
- ❖ India-US Ties : तल्ख द्विपक्षीय संबंध के बीच नए राजदूत सर्जियो गोर दिल्ली पहुँचे, कहा – भविष्य में बेहतरीन अवसर।
- ❖ बंगाल में सुवेंदु अधिकारी पर पुलिस के सामने हमला, धरने पर बैठे; इलाके में तनाव।
- ❖ Plane Crash : ATC से संपर्क टूटने के बाद 9 सीटर प्राइवेट एयरक्राफ्ट क्रैश, खुले मैदान में फोर्स लैंडिंग, सीएम ने जताया दु:ख।
- ❖ अमित शाह ने कहा – भजनलाल सरकार ने पेपरलीक से राजस्थान को दिलाई निजात, 8 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र प्रदान किए।
- ❖ 17 जनवरी को वंदेभारत स्लीपर का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी, अमृत भारत एक्सप्रेस की भी लॉन्चिंग।

Created by Universal Document Converter

## तारिक रहमान से मिले भारतीय उच्चायुक्त

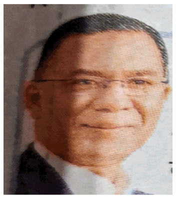

भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव के बीच बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त प्रणय कुमार वर्मा ने बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान से मुलाकात की। दोनों देशों के राजनीतिक संबंध और सहयोग पर चर्चा हुई।

## गोपाल शर्मा की पुस्तक का राज्यपाल द्वारा विमोचन

**जयपुर :** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने 10 जनवरी को विधायक और वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा की पुस्तक मेरी मुलाकातें का विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के साथ विमोचन किया। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कार्यक्रम में ऑनलाइन भाग लिया। राज्यपाल बागडे ने गोपाल शर्मा को पुस्तक के लिए बधाई देते हुए कहा कि उनके लिए इंटरव्यू महत्त्वपूर्ण और संग्रहणीय हैं। यह पुस्तक पत्रकारिता के स्वस्थ मूल्यों के साथ साहित्य की संवेदना लिए है। उन्होंने पत्रकारिता के साथ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ की अपनी स्वयं की कुछ यादें भी साझा कीं। राज्यपाल ने पत्रकारिता में इंटरव्यू विधा को समय के दस्तावेज बताते हुए कहा कि साक्षात्कार वही सार्थक होते हैं, जिनमें लेने और देने वाला दोनों ही विषय और सामयिक संदर्भों के मर्मज्ञ हों। इंटरव्यू की यह पुस्तक पत्रकारिता जगत के लिए ही नहीं भारत निर्माण से जुड़े विशिष्ट व्यक्तित्वों को गहराई से जानने और समझने में रुचि रखने वालों के लिए भी समान रूप से उपयोगी होगी। पत्रकारिता चौथा स्तम्भ इसीलिए कहा गया है कि यह लोकतंत्र की जड़ों को सींचने का कार्य करती है। राज्यपाल ने पुस्तक के अंशों से जुड़ी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

## ई-संजीवनी से ऐसे पाए मुफ्त में स्वास्थ्य सेवाएँ

संजीवनी प्लेटफॉर्म वाकई 5 बडे काम का है। इसके जरिए आप अपने मोबाइल, कंप्यूटर या टैबलेट से घर बैठे डॉक्टर से वीडियो या ऑडियो कंसल्टेशन ले सकते हैं। डॉक्टर मरीज की समस्या सुनकर उपचार और दवा की सलाह देंगे और जरूरत पड़ने पर ई-प्रिस्क्रिप्शन भी जारी करेंगे। इस प्लेटफॉर्म का उपयोग करना आसान है। मरीज वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म कई भाषाओं को सपोर्ट करता है। https://esanjeevani.mohfw. gov.in/#/ पर जाएँ। यहाँ पर डॉक्टर्स के बारे में भी ठीक से बताया गया है।

## जैन पत्रकार सम्मेलन में संपादक संघ की सहभागिता

**नासिक :** समीपस्थ नवोदित णमोकार तीर्थ पर आचार्य देवनन्दि जी ससंघ एवं अनेक मुनिराजों के सान्निध्य में फरवरी में होने वाले विशाल पंचकल्याणक की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। उक्त कार्यक्रम के निमित्त से 18 जनवरी को णमोकार तीर्थ पर पत्रकार सम्मेलन आयोजित है। जैन पत्र संपादक संघ के महामंत्री डॉ. अखिल बंसल ने बताया कि उक्त सम्मेलन में अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ के पत्रकार बड़ी संख्या में भाग लेने पहुँच रहे हैं।

## एक और काम गुरुदेव के नाम

परम पूज्य आचार्य भगवन गुरुदेव श्री विद्यासागर महाराज जी एवं आचार्य श्री समयसागर महाराज जी के परम आशीर्वाद से परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिवर श्री अभयसागर जी महाराज जी के अथक प्रयास से पुनः एक और कार्य सफल हो ही गया, वो प्रयास है जबलपुर से रायपुर जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन का नामकरण 'मूकमाटी एक्सप्रेस' हुआ। ये प्रयास परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिवर श्री अभयसागर जी महाराज ने अतिशय क्षेत्र पटनागंज के बड़े बाबा की छांव में हो रहे पावन वर्षायोग में प्रारम्भ किया और आज वो प्रयास सफल हुआ, इस अभियान में 1 राज्यपाल, 6 राज्यसभा सदस्य और 20 लोकसभा सदस्यों ने अपने-अपने अनुसंशा पत्र रेल मंत्रालय को प्रेषित किए। साथ ही साथ शुरू हुए हस्ताक्षर अभियान में लगभग 54000 लोगों ने अपने हस्ताक्षर करके इस अभियान को ऊर्जावान बनाया, दिन प्रतिदिन ये कारवां बढ़ता ही गया और आज वो प्रयास सफल हुआ। माननीय अश्विनी वैष्णव जी (मंत्री रेल मंत्रालय), राज्यपाल महोदय जी, सभी 6 राज्यसभा सदस्यों, 20 लोकसभा सदस्यों, अतिशय क्षेत्र पटनागंज रहली के सभी श्रावक जिन्होंने इस अभियान में मेहनत की, सभी हस्ताक्षर करने वालों के साथ-साथ सभी सहयोगियों के बहुत ही आभार और बधाइयाँ।

## यम संल्लेखना के बाद मुनि मुक्तिसागर समाधिस्थ

**पिड़ावा :** स्थानीय श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में जैन मुनि मुक्ति सागर ने 16 दिन की यम संल्लेखना के बाद 11 जनवरी को दोपहर 3 बजे के करीब देह त्याग दी। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। उनका अंतिम संस्कार ब्रह्मानंद सागर नसियां सूरजकुंड में पंचतत्व में विलीन किया। समाधि मरण की सूचना मिलते ही पिड़ावा नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर फैल गई। नगर में व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

## डिजिटल अरेस्ट कर 1.20 करोड़ की ठगी

**ग्वालियर :** साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर रिटायर्ड सब-रजिस्ट्रार बिहारीलाल गुप्ता से 1.20 करोड़ रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। ठगों ने खुद को पुलिस, सीबीआइ और ट्राई का अधिकारी बताकर 28 दिनों तक उन्हें मानसिक दबाव में रखा और मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित को बताया गया कि यदि उन्होंने किसी को जानकारी दी तो जेल भेज दिया जाएगा।

## नेपाल में फिर राजशाही की मांग

**काठमांडू :** नेपाल के पहले नरेश पृथ्वी नारायण शाह की जयंती पर सैकड़ों लोगों ने रैली निकालकर राजशाही की बहाली की माँग की है। प्रदर्शनकारी पृथ्वी नारायण शाह की प्रतिमा के पास जुटे और 'राजा वापस लाओ' के नारे लगाए। यह रैली 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव से 53 दिन पहले हुई। रैली शांतिपूर्ण रही और पुलिस तैनात रही।

Created by Universal Document Converter

## त्रिभाषा सम्मेलन हैदराबाद भावी पीढ़ी को प्रेरणा देगी

प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा व एस एच एम वी फाउंडेशन हैदराबाद द्वारा त्रिभाषा सम्मेलन क्रियान्वित किया गया। त्रिभाषा सम्मेलन में हिंदी, संस्कृत व तेलगु को नई दिशा दी गई। कवि संगम त्रिपाठी ने कहा कि त्रिभाषा सम्मेलन भावी पीढ़ी को प्रेरणा देगी। विश्व हिंदी दिवस पर कवि बालकृष्ण रामभाउ महाजन नागपुर की कृति 'जंग अभी जारी है' व गंगांजलि साझा काव्य संग्रह कवि संगम त्रिपाठी हास्य व्यंग जबलपुर मध्यप्रदेश, कवि पंकज बुरहानपुरी कवि लेखक बुरहानपुर, कवि श्याम फतनपुरी कवि गीतकार गोमती नगर लखनऊ, डॉ. सोमनाथ शुक्ल कवि लेखक प्रयागराज की कृति जिसके संपादक डॉ. अजय शुक्ल है का विमोचन किया गया जो कि प्रेरणादायक उद्धरण हैं। विश्व हिंदी दिवस के अतिथि डॉ. रावी नूतला शशिधर, तेलगु वक्ता आचार्य कसी रेड्डी वेंकट रेड्डी जी पूर्व अध्यक्ष तेलगु विभाग उस्मानिया विश्वविद्यालय, संस्कृत वक्ता चिलकर्मरी लक्ष्मीनाथ आचार्य जी विरमित उपन्यासक अध्यक्ष संस्कृत भारती ट्रस्ट तेलंगाना, हिंदी वक्ता गजेन्द्र पाठक जी सीनियर प्रोफेसर एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग हैदराबाद, डॉ. गुंडाल विजय कुमार संस्थापक एस एच एम वी फाउंडेशन हैदराबाद, प्रदीप मिश्र अजनबी दिल्ली, रामवल्लभ इंदौरी, डॉ. दुर्गेश नंदिनी हैदराबाद, राकेश मणि त्रिपाठी पनवेल, अनिल राही ग्वालियर, सुहास भटनागर हैदराबाद, अजय कुमार पाण्डेय हैदराबाद, नूतल शशिधर रवि श्रीमती अनिता मिश्रा दुबे, कृष्ण कुमार द्विवेदी नागपुर, बालकृष्ण महाजन नागपुर, मेघा अग्रवाल नागपुर, राजेन्द्र कुमार रुंगटा बिलासपुर वाले हैदराबाद, सत्य प्रसन्न, अंजलि मिश्रा तिवारी बस्तर, कमलेश्वर नागेश्वर राव, सीमा शर्मा मंजरी मेरठ, सोनिया नायडू दुर्ग छत्तीसगढ़, नरेन्दर कल्याणकर, अवनीश कुमार शुक्ला, सुरेश जी हैदराबाद आदि का सहयोग प्रेरणादाई रहा।

## इंडियन आइडल-3 के विजेता प्रशांत तमांग का निधन

**नई दिल्ली :** इंडियन आइडल सीजन-3 के विजेता और लोकप्रिय गायक-अभिनेता प्रशांत तमांग का 11 जनवरी को दिल्ली में निधन हो गया वे 43 वर्ष के थे। प्रशांत को दिल का दौरा पड़ने के तुरंत बाद अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। प्रशांत ने 'इंडियन आइडल' जीतने के बाद 'धन्यवाद' जैसे संगीत एल्बम दिए और नेपाली फिल्म 'गोरखा पल्टन' से अभिनय शुरू किया। हाल में वे वेब सीरीज 'पाताल लोक-2' में नजर आए थे।

**सम्पादक :** डॉ. अखिल बंसल, जयपुर
**संयुक्त सम्पादक :** डॉ. नरेन्द्रकुमार जैन 'भारती', सनावद
**सह सम्पादक :** श्रीमती शैल बंसल जयपुर एवं सुरेन्द्र पाण्डया जयपुर
**प्रबंध सम्पादक :** अनिल पारसदास जैन दिल्ली एवं अंशुल जैन जयपुर

कृपया आप अपना चैक समन्वयवाणी के नाम से पंजाब नेशनल बैंक में खाता सं. 2263002100000749 में जमा कराकर सूचित करें।
IFSC Code - PUNB0226300
**Email : samanvayvani@gmail.com**

स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती शैल बंसल के लिए बाहुबली प्रिन्टर्स 129, जादोन नगर 'बी' स्टेशन रोड, दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से मुद्रित तथा प्रकाशित। मो. 9929655786

## श्री महावीरजी रेलवे स्टेशन पर भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा को छत्र संरक्षण से भव्यता निखरी

**श्रीमहावीरजी ( राजस्थान )** : श्री महावीरजी रेलवे स्टेशन पर किए गए विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों से स्टेशन परिसर के गोल सर्कल में स्थापित भगवान महावीर स्वामी की 42 इंच ऊँची ब्रॉन्ज मेटल प्रतिमा पर अब एक भव्य छतरी (छत्र) निर्मित की गई है। छतरी के नीचे प्रतिमा विराजमान की गई है, जिससे प्रतिमा को दिव्य और गरिमामय स्वरूप मिला है। यह सुंदर छतरी बंशी पहाड़पुर के प्रसिद्ध पत्थरों से निर्मित है। इससे गोल सर्कल का संपूर्ण स्वरूप और अधिक आकर्षक एवं भव्य हो गया है। यह छतरी न केवल उत्कृष्ट स्थापत्य कला का उदाहरण बनी है, बल्कि जैन धर्म के अहिंसा, शांति और तप के संदेश को भी दर्शाती है। प्रतिमा की सुरक्षा और सौंदर्य को ध्यान में रखते हुए कई कार्य किए जा रहे हैं। गोल सर्कल के चारों ओर स्टील रेलिंग, प्रतिमा की सुरक्षा हेतु टफन ग्लास तथा परिसर में डेकोरेटिव लाइटिंग शामिल है। लाइटिंग कार्य पूर्ण होने के बाद रात्रि में स्टेशन परिसर अत्यंत मनोहारी और दिव्य दृश्य प्रस्तुत करेगा।

## दिव्यांग ऑपरेशन कैम्प का सफल आयोजन

दिनांक 9 जनवरी 2026 को अध्यात्म, अहिंसा एवं शाकाहार को समर्पित संस्था आशा बिहार के तत्त्वावधान में दिव्यांग ऑपरेशन कैम्प का आयोजन भारत विकास एवं संजय आनंद विकलांग अस्पताल, बड़ी पहाड़ी, पटना में सफलतापूर्वक किया गया। इस चिकित्सा शिविर में डॉ. एस.एस. झा, डॉ. जीवेंदु चौधरी, डॉ. उमेश प्रसाद, डॉ. विनय कुमार एवं डॉ. रवि खंडेलवाल के कुशल नेतृत्व में 15 दिव्यांगजनों की शल्य-चिकित्सा, विकृति से पीड़ित 20 बच्चों का प्लास्टर तथा ओ.पी.डी. में 50 मरीजों की जाँच की गई। चिकित्सा शिविर का उद्घाटन माननीय मंत्री, सहकारिता, वन एवं पर्यावरण, बिहार सरकार - डॉ. प्रमोद कुमार चंद्रवंशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर संजय आनंद फाउंडेशन के चेयरमेन, न्यूयॉर्क निवासी श्री सुनील आनंद जी, विशिष्ट अतिथि श्री दिलीप खन्ना (अध्यक्ष, पंजाबी बिरादरी), दिल्ली से पधारे श्री मोहन अग्रवाल, श्री सीताराम पोद्दार सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का सम्मान अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर किया गया। साथ ही आशा बिहार के अध्यक्ष श्री तंसुखलाल बैद, राष्ट्रीय कार्यध्यक्ष श्रीमती सरोज पाटनी जैन एवं कोषाध्यक्ष श्री विनोद जी दुग्गड़ का भी अस्पताल प्रशासन द्वारा अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कैम्प की सफलता में उपस्थित सदस्यों के सहयोग ने चार चाँद लगा दिए। कार्यक्रम का मंच संचालन पद्मश्री विमल जैन द्वारा किया गया एवं विवेक माथुरजी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। अंत में हॉस्पिटल के लिए एक ऑक्सीजन मशीन दी गयी व मरीजों के मध्य कंबल वितरण कर शिविर का समापन किया गया। **- सरोज पाटनी जैन**

Created by Universal Document Converter